भारत सरकार

संस्कृति मंत्रालय

राज्यसभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 22

उत्तर देने की तारीख : गुरुवार, 02 फरवरी, 2023

13 माघ 1944 (शक)

विदेशों से सांस्कृतिक विरासत की वस्तुओं की वापसी

22. श्री कार्तिकेय शर्मा:

क्या संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क)क्या यह सच है कि सरकार रिपेट्रिएशन योजना के तहत उन विदेशी ताकतों, जिन्होंने भारत का लंबे समय तक उत्पीड़न किया, पर नैतिकता के आधार पर कोई जवाबदेही निर्धारित कर रही है ;

(ख)यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ;

(ग) क्या सरकार उक्त योजना के तहत विदेशों में ले जाई गई प्राचीन भारतीय विरासत की बहुमूल्य वस्तुओं को वापस लाने पर विचार कर रही है ;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ; और

(ङ)क्या सरकार इंग्लैड से कोहिनूर हीरा वापस लाने की भी कोई योजना बना रही है ?

उत्तर

संस्कृति, पर्यटन और पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री
(श्री जी. किशन रेड्डी)

(क)और (ख) : जी, नही। ऐसी कोई स्कीम नही है ।

(ग) से (ड.) : भारत सरकार, भारत से ले जाए गए भारतीय मूल के पुरावशेषों को वापस लाने के लिए प्रतिबद्ध है। जब कभी विदेश में भारतीय मूल के ऐसे किसी पुरावशेष के बारे में पता चलता है, तो भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, इनको पुन: प्राप्ति के लिए विदेश मंत्रालय के माध्यम से विदेश में भारतीय दूतावासों, मिशनों के साथ मामले को उठाता है । वर्ष **2014** से विदेशों से कुल **229** पुरावशेषों को वापस लाया गया है।

*****